मंजू नंदन मेहता

अकादेमी पुरस्कारः
हिन्दुस्तानी वाद्य संगीत (सितार)

MANJU NANDAN MEHTA

Akademi Award:
Hindustani Instrumental Music (Sitar)

राजस्थान के जयपुर में 21 मई 1945 को जन्मी श्रीमती मंजू नंदन मेहता जिस परिवार से आती हैं, वह राजस्थान के प्रसिद्ध संगीतकारों का परिवार है। आपने अपने बड़े भाई श्री शशि मोहन भट्ट से सितार वादन का प्रारम्भिक प्रशिक्षण प्राप्त किया और फिर मैहर सेनिया घराने के पंडित रविशंकर और श्री दामोदर लाल काबरा के संरक्षण में अपनी कला और कौशल को निखारा। आप आकाशवाणी और दूरदर्शन की 'उच्च' श्रेणी की कलाकार हैं। साथ ही, आप हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत को बढ़ावा देने के लिए समर्पित संस्था, सप्तक की सह–संस्थापक हैं। आपने बहुत से छात्रों को सितार का प्रशिक्षण भी दिया है।

श्रीमती मंजू नंदन मेहता की कई रिकॉर्डिंग उपलब्ध है और आपको दूरदर्शन द्वारा संगत श्रृंखला के अन्तर्गत प्रलेखित भी किया गया है। आपने देश–विदेश में हिंदुस्तानी संगीत पर कई कार्यशालाओं और संगोष्ठियों का आयोजन किया है, जिसमें सप्तक अभिलेखागार के लिए श्पंडित रविशंकर द्वारा रचित नये रागश श्रृंखला भी शामिल है। आप देश की कई प्रतिष्ठित सांस्कृतिक संस्थाओं से सदस्य के रूप में जुड़ी रही हैं।

हिन्दुस्तानी संगीत के क्षेत्र में योगदान के लिए श्रीमती मंजू नंदन मेहता को कई प्रतिष्ठित उपाधियों और पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जिनमें सन् 1984 में गुजरात सरकार द्वारा प्रदान किया गया गुजरात गौरव पुरस्कार, सन् 1994 में गुजरात सरकार द्वारा प्रदान किया गया पंडित ओंकारनाथ पुरस्कार, जोधपुर के महाराजा गजसिंह द्वारा मारवाड़ संगीत रत्न पुरस्कार, सन् 2016 में गुजरात सरकार द्वारा प्रदान किया गया ताना रीरी पुरस्कार, और सन् 2018 में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा प्रदान किया गया तानसेन सम्मान शामिल हैं।

श्रीमती मंजू नंदन मेहता को हिन्दुस्तानी वाद्य संगीत (सितार) में योगदान के लिए वर्ष 2019 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मनित किया जाता है।

Born on 21 May 1945 at Jaipur in Rajasthan, Shrimati Manju Nandan Mehta belongs to a very well-known family of musicians in Rajasthan. She received her initial training in Sitar from her elder brother Shashi Mohan Bhatt and later under the tutelage of Pandit Ravi Shankar and Damodar Lal Kabra of Maihar Senia gharana.

A 'Top' grade artist of All India Radio and Doordarshan, and the co-founder of SAPTAK, an institution dedicated to the promotion of Hindustani classical music since 1980, she has trained many students. Shrimati Manju Mehta has published many recordings and has been documented by Doordarshan in the series Sangath. She has conducted many workshops and seminars of Hindustani music in India and abroad including a series 'New Ragas created by Pandit Ravi Shankar' for the Saptak Archives. She has been associated with many prestigious cultural institutions in the country as a member.

For her contribution in the field of Hindustani music, she has been honored with many prestigious titles and awards. These include the Gujarat Gaurav Puraskar conferred by the Government of Gujarat in 1984; the Pandit Omkarnath Award bestowed by the Government of Gujarat in 1994; the Marwar Sangeet Ratna Award from Maharaja Gajsingh of Jodhpur in 2012; the Tana Riri Award from the Government of Gujarat in 2016; and the Tansen Samman conferred by the Government of Madhya Pradesh in 2018.

Shrimati Manju Nandan Mehta receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2019 for her contribution to Hindustani instrumental music.